Tender Heart High School, Sector-33B Chandigarh

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ -10(सूरज) टीचर - सुमन शर्मा

सुप्रभात बच्चो!

यह कार्य कक्षा - दूसरी, विषय - हिन्दी, उपविषय- पाठ - 10 सूरज (कविता), पुस्तक - नवतरंग - 2 से लिया गया है। यह कार्य आपको 9.11.2024 को भेजा जाएगा।

बच्चो! इस सप्ताह हम पाठ-10 'सूरज' (कविता) पढ़ेंगे। यह कविता 'सूरज' से संबंधित है। सूरज पूरे जग को उजाला देता है। यह अपने नियम से उगता है और नियम से छिपता है। इसके बदले हमसे कभी कुछ नहीं माँगता। तभी सूरज हम सबको अच्छा लगता है। इस कविता में भी अपना काम नियम से करना और सबका भला करना — यह सीख 'सूरज' का उदाहरण देकर समझाने की कोशिश की गई है।

1) पूरब से सूरज उग आया।
चारों ओर उजाला छाया।
बड़ी तेज़ हैं किरणें इसकी
करती मन में वर्षा रस की।

अर्थ → इन पंक्तियों में कवि कह रहे हैं कि सूरज पूरब दिशा से निकल आया है। चारों ओर उजाला छा गया है। सूरज की किरणें बहुत तेज़ हैं, यह हमारे मन में खुशियों की वर्षा करती हैं अर्थात् हमारे मन को खुशियों से भर देती हैं।

उपविषय - पाठ 10 (सूरज) टीचर - सुमन शर्मा

2) हमें सूरज गरमी है देता
बदले में न कभी कुछ लेता।
रोज शाम को छिप जाता है
और सवेरे उग आता है।

अर्थ → इन पंक्तियों में कवि बता रहे हैं कि सूरज हमें गरमी देता है परन्तु इसके बदले में हम से कुछ नहीं लेता। यह अपने नियम से हर रोज़ शाम को छिप जाता और नियम से सुबह उग जाता है। अतः हमें भी अपना काम नियम से करना चाहिए, बिना किसी स्वार्थ के।

3) सूरज है हम सबको प्यारा
लगता है वह सबसे न्यारा।
हमें सवेरे रोज़ उठाता
काम-काज में तुरत लगाता।

अर्थ → कवि कहते हैं कि - सूरज हम सबको बहुत अच्छा लगता है। यह सबसे अनोखा है। सूरज हमें रोज़ सवेरे उठाता है अर्थात् सूरज के निकलने बाद ही हम सब सुबह उठते हैं और अपने-अपने काम में लग जाते हैं।

5) इसकी प्यारी धूप सुनहली
जाड़े में लगती खूब भली।
अंधकार को हरने वाला
जग का पोषण करने वाला।

उपविषय - पाठ - 11 (सूरज) टीचर - सुमन शर्मा

अर्थ → इन पंक्तियों में कवि सूरज के बारे में कह रहे हैं कि इसकी सुनहरी धूप सरदी के मौसम में बहुत अच्छी लगती है। सूरज अंधकार को हरने वाला तथा इस संसार का पालन - पोषण करने वाला है।

नोट → • सभी बच्चे कविता को दो - तीन बार अच्छे से पढ़ने का अभ्यास करेंगे।
• सभी बच्चे ऊपर लिखे कविता की पंक्तियों के अर्थ अच्छी तरह से पढ़ेंगे व समझने की कोशिश करेंगे।

उपविषय - पाठ 10 (प्रश्न/उत्तर) टीचर - सुमन शर्मा

2. प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखें -

क) सूर्य से हमें क्या-क्या मिलता है?

उत्तर → सूर्य से हमें रोशनी, धूप, गरमी और पोषण मिलता है।

ख) सुबह का समय आपको कैसा लगता है?

उत्तर → सुबह का समय हम सबको बहुत अच्छा लगता है क्योंकि सूर्य की रोशनी के कारण चारों तरफ उजाला दिखाई देता है।

ग) कविता के अंत में सूरज के लिए कही गई दो पंक्तियाँ लिखें -

उत्तर → 1) सूरज अंधकार को हरने वाला है।
2) यह जग का पालन-पोषण करता है।

3. कविता की मनपसंद चार पंक्तियाँ लिखें -

(स्वयं करें)

उपविषय - पाठ - 10 (प्रश्न/उत्तर) टीचर - सुमन शर्मा

4. उदाहरण के अनुसार लिखें -

क) बड़ी तेज़ हैं किरणें इसकी

उत्तर → इसकी किरणें बड़ी तेज़ हैं।

ख) हमें सूरज गरमी है देता

उत्तर → हमें सूरज गरमी देता है।

ग) सूरज है हम सबको प्यारा

उत्तर — हम सबको सूरज प्यारा लगता है।

घ) लगता है वह सबसे न्यारा

उत्तर — वह सबसे न्यारा लगता है।

5. शब्द - अर्थ

1. उग - निकल आया

2. न्यारा - अनोखा

3. काम - काज - तरह - तरह के काम

उपविषय - पाठ-10 (प्रश्न/उत्तर) टीचर - सुमन शर्मा

4. सुनहली - सोने के रंग जैसी

5. भली - अच्छी

6. पोषण - देखभाल

6. संकेत पढ़कर लिखो - (औ (ौ) की मात्रा वाले शब्द

1) जो रखवाली करता है - चौकीदार

2) सब्ज़ी का नाम - लौकी

3) बीज बोने पर निकलता है - पौधा

4) नाव को कहते हैं - नौका

5) माँ की बहन - मौसी

7. वाक्य बनाओ -

1) सुबह - मुझे सुबह का समय बहुत अच्छा लगता है।

2) उजाला - उजाला होते ही सब लोग काम-काज पर लग जाते हैं।

3) अंधकार - सूरज की किरणें अंधकार को खत्म कर देती हैं।

(Last Page)